9. विशेषण

विशेषण शब्द संज्ञा और सर्वनाम की विशेषता प्रकट करते हैं।

विशेषण जिन शब्दों की विशेषता बताते हैं, उन्हें विशेष्य कहते हैं।

शिक्षण-संकेत

- ❖ छात्रों से विशेषण के बारे में जानें।
- ❖ कुछ वाक्य बोलें और छात्रों को उनमें से विशेषण बताने को कहें।
- ❖ पाठ पृष्ठ 57 पर दिए उदाहरणों को पढ़वाएँ तथा विशेषण स्पष्ट करें।
- ❖ विशेष्य के बारे में समझाएँ। विशेषण और विशेष्य में अंतर करना सिखाएँ।
- ❖ पृष्ठ 58-59 पर दिए विशेषण के भेदों को छात्रों से पढ़वाएँ और समझाएँ।
- ❖ आस-पास की वस्तुओं द्वारा भी विशेषण समझाया जा सकता है।
- ❖ संख्यावाचक और परिमाणवाचक विशेषण के भेदों को समझाएँ तथा इनका अंतर भी स्पष्ट करें।
- ❖ सार्वनामिक विशेषण समझाते हुए बताएँ कि वे सर्वनाम जो संज्ञा से पहले लगकर उनकी विशेषता बताते हैं, सार्वनामिक विशेषण कहलाते हैं।
- ❖ प्रविशेषण के बारे में समझाएँ। बताएँ, जो शब्द विशेषण की विशेषता बताते हैं, प्रविशेषण कहलाते हैं।
- ❖ सुनिश्चित करें कि छात्र भली-भाँति समझ पा रहे हैं या नहीं।
- ❖ समझाएँ, विशेषण की तीन अवस्थाएँ होती हैं जिनके द्वारा अच्छा, उससे अच्छा और सबसे अच्छा की स्थिति पता चलती है।
- ❖ मूलावस्था, उत्तरावस्था तथा उत्तमावस्था तीनों अवस्थाओं के बारे में विस्तार से समझाएँ।
- ❖ कुछ शब्द बोलें तथा छात्रों से उनकी अन्य अवस्था बताने को कहें।
- ❖ छात्रों को विशेषणों की रचना करना सिखाएँ-समझाएँ। बताएँ संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया तथा अव्यय शब्दों से विशेषणों की रचना की जाती है।
- ❖ कुछ शब्द बोलें और उनसे विशेषण बनवाएँ।
- ❖ प्रत्येक छात्र पर अपना ध्यान बनाए रखें। यदि उन्हें कहीं कठिनाई लगे तो यथासंभव और सरलाता से समझाएँ।
- ❖ 'अब तक हमने सीखा' के आधार पाठ की दोहराई करवा लें।